वार्षिक परीक्षा 2024-25

कक्षा 11वीं

विषय - हिंदी

यह रहा सही उत्तरों का चयन:

(i) मीराबाई की भक्ति है -
(स) दांपत्य भाव की

(ii) 'भारत माता' पाठ 'हिंदुस्तान की कहानी' का अध्याय है -
(ब) तीसरा

(iii) जामुन के पेड़ के नीचे दबा हुआ व्यक्ति पेशे से था -
(अ) अध्यापक

(iv) अर्थ के आधार पर वाक्य के प्रकार होते हैं -
(स) पाँच

(v) "यहाँ दरख्तों के साये में धूप में" में प्रयुक्त अलंकार है -
(अ) विरोधाभास

(vi) भरतमुनि द्वारा रचित ग्रंथ का नाम है -
(अ) नाट्य शास्त्र

प्र.2 रिक्त स्थान भरें:

(i) **'साये में धूप'** दुष्यंत कुमार का **ग़ज़ल संग्रह** है।

(ii) पटकथा को अंग्रेजी में **स्क्रीन प्ले** कहते हैं।

(iii) रस के **नौ** अंग होते हैं।

(iv) 'विदाई संभाषण' व्यंग्य **लॉर्ड मैकाले** पर लिखी गई रचना है।

(v) **द्विवेदी युग** को हिन्दी निबंध का स्वर्णकाल माना जाता है।

(vi) संचारी भावों की संख्या **33** है।

प्र.3 सही जोड़ियां बनाएं:

"अ"	"ब"
(i) सोने पर सुहागा	(छ) भवानी प्रसाद मिश्र
(ii) कुल की कानि	(च) परिवार की मर्यादा
(iii) साकेत	(घ) मैथिलीशरण गुप्त
(iv) गलता लोहा	(ड) शेखर जोशी

(v) कृश्न चंदर	(ग) कागज की नाव
(vi) विलायत खाँ	(ख) सितार वादक
(vii) सरकारी कामकाज की भाषा	(क) राजभाषा

प्र.4 एक शब्द / वाक्य उत्तर:

(i) **जयशंकर प्रसाद** छायावाद के प्रवर्तक थे।

(ii) **अरबी** भाषा का शब्द है।

(iii) **दोहा** छंद, सोरठा छंद का उल्टा छंद है।

(iv) **1975** में दूरदर्शन नाम दिया गया।

(v) **उनकी सुरीली आवाज़ और स्पष्ट उच्चारण।**

(vi) **सड़क के किनारे** गिरा था।

(vii) **सुभद्राकुमारी चौहान** ने 'वानर' पत्रिका का संपादन किया।

प्र.5 सत्य / असत्य:

(i) कुमार गंधर्व ने कबीर के पदों का गायन किया है। **(सत्य)**

(ii) मियाँ नसीरूद्दीन पचास तरह की रोटी बनाने में माहिर थे। **(असत्य)**

(iii) छंद में गणों की संख्या नौ होती है। **(असत्य) (गणों की संख्या 8 होती है)**

(iv) छायावादी कवियों ने प्रकृति का मानवीकरण किया है। **(सत्य)**

(v) लोकोक्ति को कहावत भी कहते हैं। **(सत्य)**

(vi) 'स्पीति में बारिश' पाठ एक संस्मरण है। **(सत्य)**

प्र.6 उत्तर:

मायके आई बहन के लिए कवि ने घर को परिताप का घर क्यों कहा है?

➡️ कवि ने घर को परिताप का घर इसलिए कहा है क्योंकि बहन के लिए मायका अब पहले जैसा नहीं रहा। वह अपने ससुराल की जिम्मेदारियों में बंध चुकी है, इसलिए वह अपने मायके में आकर भी पूरी तरह से सुखी नहीं हो पाती।

अथवा

अपना घर से क्या तात्पर्य है? इसे भूलने की बात क्यों कही गई है?

➡️ 'अपना घर' से तात्पर्य वह स्थान है, जहाँ व्यक्ति का बचपन बीतता है और जहाँ से उसके जीवन की शुरुआत होती है। इसे भूलने की बात इसलिए कही गई है क्योंकि विवाह के बाद स्त्री का नया घर ही उसका अपना घर माना जाता है।

प्र.7 उत्तर:

भक्ति काल को हिंदी साहित्य का स्वर्ण युग क्यों कहा गया है?

➡️ भक्ति काल को हिंदी साहित्य का स्वर्ण युग इसलिए कहा जाता है क्योंकि इस समय भक्तिकाव्य की प्रमुखता थी। संतों और भक्त कवियों ने हिंदी भाषा को जन-जन तक पहुँचाया और उसमें भक्ति, प्रेम, ज्ञान और आध्यात्मिकता की भावना भरी। इस काल में सूरदास, तुलसीदास, कबीर, मीराबाई जैसे महान कवि हुए।

अथवा

छायावादी कविता की दो विशेषताएँ:

1. **प्रकृति का मानवीकरण** – छायावादी कवियों ने प्रकृति को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया है।
2. **व्यक्तिगत भावनाओं की प्रधानता** – इस काव्य में आत्मा, प्रेम, पीड़ा, स्वच्छंदता और आध्यात्मिकता की अभिव्यक्ति अधिक है।

प्र.8 उत्तर:

जीवनी और आत्मकथा में अंतर:

1. **जीवनी (Biography)** – यह किसी अन्य व्यक्ति के जीवन पर आधारित होती है और किसी लेखक द्वारा लिखी जाती है।
2. **आत्मकथा (Autobiography)** – यह स्वयं लेखक द्वारा अपने जीवन की घटनाओं पर लिखी जाती है।

अथवा

भारतेंदु युग के दो प्रमुख निबंधकार एवं उनकी रचनाएँ:

1. **बालकृष्ण भट्ट** – "हिन्दी निबंध"
2. **प्रतापनारायण मिश्र** – "ब्राह्मणों का पतन"

प्र.9 उत्तर:

पथेर पांचाली फिल्म की शूटिंग का काम ढाई साल तक क्यों चला?

➡️ "पथेर पांचाली" फिल्म की शूटिंग का काम ढाई साल तक इसलिए चला क्योंकि फिल्म का बजट कम था, जिससे बीच-बीच में शूटिंग रोकनी पड़ी। सत्यजीत राय ने अपनी बचत से फिल्म शुरू की, लेकिन धन की कमी के कारण इसे पूरा करने में अधिक समय लग गया।

अथवा

बालमुकुंद गुप्त ने देश को "अभागे भारत" क्यों कहा है?

➡️ बालमुकुंद गुप्त ने देश को "अभागे भारत" इसलिए कहा क्योंकि उस समय भारत पर ब्रिटिश शासन था, जिसने देश को आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से कमजोर बना दिया था। उन्होंने भारत की दयनीय स्थिति पर व्यंग्य किया।

प्र.10 उत्तर:

स्थायी भाव और व्यभिचारी भाव में अंतर:

1. **स्थायी भाव** – जो भाव हमेशा स्थिर रहता है, जैसे प्रेम, शोक, करुणा आदि।
2. **व्यभिचारी भाव** – जो क्षणिक होता है और मुख्य रस को विकसित करता है, जैसे आशंका, गर्व, लज्जा आदि।

अथवा

शब्द शक्ति से क्या तात्पर्य है?

➡️ शब्द शक्ति वह क्षमता है जिससे शब्द अपने अर्थ को व्यक्त करता है।

उदाहरण: लक्षणा शक्ति – "लोहे का आदमी" (शक्ति, साहस को व्यक्त करता है)।

प्र.11 उत्तर:

राजभाषा और राष्ट्रभाषा में अंतर:

1. **राजभाषा** – सरकारी कार्यों में उपयोग की जाने वाली भाषा (जैसे, हिंदी भारत की राजभाषा है)।
2. **राष्ट्रभाषा** – पूरे देश में बोली जाने वाली भाषा (भारत में कोई राष्ट्रभाषा घोषित नहीं है)।

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करें:

1. **बंदूक एक उपयोगी अस्त्र है।**
2. **वह संतान के कारण दुःखी है।**
3. **उसका होश उड़ गया था।**

प्र.12 उत्तर:

क्रिया विशेषण किसे कहते हैं?

➡️ जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं, उन्हें क्रिया विशेषण कहते हैं।

उदाहरण: "राम धीरे-धीरे चलता है।" (धीरे-धीरे = क्रिया विशेषण)

अथवा

पीत पत्रकारिता से आप क्या समझते हैं?

➡️ **पीत पत्रकारिता** (Yellow Journalism) वह पत्रकारिता है, जिसमें सनसनीखेज, भ्रामक और अतिशयोक्तिपूर्ण खबरें प्रकाशित की जाती हैं ताकि लोगों का ध्यान आकर्षित किया जा सके।

प्र.13 उत्तर:

यमक अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित:

➡️ जब एक ही शब्द एक वाक्य में दो बार प्रयुक्त हो और दोनों बार उसका अर्थ भिन्न हो, तो उसे **यमक अलंकार** कहते हैं।

उदाहरण:
"नवल नवल रस लसत लाल लाली।"
(पहले "नवल" का अर्थ "नया", दूसरे "नवल" का अर्थ "अनोखा" है।)

अथवा

प्रबंध काव्य और मुक्तक काव्य में अंतर:

1. **प्रबंध काव्य** – इसमें कथा या कहानी होती है, जैसे "रामचरितमानस"।
2. **मुक्तक काव्य** – स्वतंत्र पद्य होते हैं, जिनमें कोई कथा नहीं होती, जैसे "रुबाइयाँ"।

प्र.14 उत्तर:

"चित्रपट संगीत ने लोगों के कान बिगाड़ दिए" – कुमार गंधर्व ने ऐसा क्यों कहा?

➡️ कुमार गंधर्व ने यह इसलिए कहा क्योंकि फ़िल्मी संगीत में शास्त्रीय संगीत की परंपरा को अनदेखा किया गया और उसमें हल्के व व्यावसायिक गीतों की प्रधानता बढ़ गई, जिससे लोगों की संगीत समझ कमजोर हो गई।

अथवा

बेबी हालदार को लिखने के लिए कौन-कौन प्रोत्साहित करते थे?

➡️ बेबी हालदार को **प्रशांत सरकार** नामक व्यक्ति ने प्रोत्साहित किया, जो उनके नियोक्ता थे। उन्होंने उन्हें लिखने के लिए सामग्री और अवसर प्रदान किया।

प्र.15 उत्तर:

पेज थ्री पत्रकारिता को समझाइए।

➡️ **पेज थ्री पत्रकारिता** वह पत्रकारिता होती है, जिसमें फिल्म, फैशन, सेलिब्रिटी गॉसिप और ग्लैमर की ख़बरें अधिक प्रकाशित की जाती हैं। इसमें गंभीर सामाजिक मुद्दों की उपेक्षा होती है।

अथवा

अर्ध-सरकारी पत्र और औपचारिक पत्र में अंतर:

1. **अर्ध-सरकारी पत्र** – यह व्यक्तिगत और सरकारी कार्यों से जुड़ा होता है, जैसे सरकारी अधिकारियों द्वारा लिखे गए पत्र।
2. **औपचारिक पत्र** – यह पूरी तरह से सरकारी या आधिकारिक होता है, जैसे सरकारी आदेश, कार्यालयी पत्र।

प्र.16 उत्तर:

(i) मीराबाई की दो रचनाएँ:

1. **पदावली**
2. **गीत गोविंद की व्याख्या**

(ii) भाव पक्ष:

➡️ मीराबाई की कविता में **कृष्ण-भक्ति**, **वैराग्य**, **प्रेम**, और **आत्मसमर्पण** का भाव प्रकट होता है।

(iii) कला पक्ष:

➡️ उनकी भाषा ब्रजभाषा और राजस्थानी मिश्रित है। उनकी कविताएँ सरल, भावनात्मक और मधुर होती हैं।

अथवा

(i) भवानी प्रसाद मिश्र की दो रचनाएँ:

1. **बुंदेलखंड की कसम**
2. **गीतफरोश**

(ii) भाव पक्ष:

➡️ उनकी कविताओं में **समाज-सुधार, देशभक्ति, मानवीय संवेदनाएँ और विचारशीलता** की अभिव्यक्ति होती है।

(iii) कला पक्ष:

➡️ उन्होंने सरल, प्रवाहमयी भाषा का प्रयोग किया। उनकी कविताओं में छंदबद्ध और छंदमुक्त दोनों शैलियाँ मिलती हैं।

प्र.17 उत्तर:

मन्नू भंडारी का साहित्यिक परिचय:

(i) **दो रचनाएँ:**

1. **"महाभोज"**
2. **"आपका बंटी"**

(ii) **भाषा शैली:**
मन्नू भंडारी की भाषा शैली अत्यंत सरल, सशक्त और गहरी भावनाओं से परिपूर्ण है। उन्होंने आम आदमी की ज़िंदगी, उसके संघर्ष और उसके भावनात्मक पक्षों को बड़ी सहजता से अपनी रचनाओं में उकेरा। उनका लेखन किसी भी प्रकार के भाषाई या साहित्यिक शो-शर्म से मुक्त और सीधा होता है।

(iii) **साहित्य में स्थान:**
मन्नू भंडारी हिंदी साहित्य में उपन्यास लेखिका के रूप में प्रसिद्ध हैं। वे विशेष रूप से महिला लेखकों के बीच एक महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं, जिन्होंने समाज के अंदरूनी पहलुओं को उजागर किया। उनकी रचनाएँ मानव-मनोविज्ञान, समाजिक संबंधों और पारिवारिक रिश्तों पर आधारित होती हैं।

मुंशी प्रेमचंद का साहित्यिक परिचय:

(i) **दो रचनाएँ:**

1. **"गोदान"**
2. **"ईदगाह"**

(ii) **भाषा शैली:**
मुंशी प्रेमचंद की भाषा शैली भी बहुत सरल, परंतु गहरी है। उन्होंने अपनी रचनाओं में हिंदी और उर्दू दोनों भाषाओं का अच्छा मिश्रण किया और गहरी सामाजिक जागरूकता को अपनी कहानियों में अभिव्यक्त किया। उनकी लेखनी में जनसाधारण के जीवन की कठिनाइयों और उनकी भावनाओं की उत्कृष्ट चित्रण मिलता है।

(iii) **साहित्य में स्थान:**
मुंशी प्रेमचंद हिंदी और उर्दू साहित्य के महान उपन्यासकार और कथा लेखक माने जाते हैं। उनका साहित्य समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार, दरिद्रता, असमानताएँ और सामाजिक परिवर्तन की आवश्यकता को उजागर करता है। उन्होंने हिंदी उपन्यास और कहानी की नई दिशा को प्रस्थापित किया।

प्र.18 उत्तर:

भाव पल्लवन:

"चरित्र सबसे बड़ा धन है।"

➡️ किसी भी व्यक्ति के जीवन में उसका चरित्र सबसे महत्वपूर्ण और अमूल्य है। धन और अन्य भौतिक वस्तुएँ एक समय बाद समाप्त हो सकती हैं, लेकिन यदि चरित्र मजबूत हो, तो वह व्यक्ति जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकता है। चरित्र ही व्यक्ति की पहचान है और यह उसके विचारों, कर्मों और कार्यों का प्रतिनिधित्व करता है।

अथवा

अच्छे विज्ञापन की तीन विशेषताएँ:

1. **स्पष्टता:** विज्ञापन में जानकारी स्पष्ट और संक्षिप्त होनी चाहिए, ताकि उपभोक्ता जल्दी से समझ सके।
2. **आकर्षकता:** विज्ञापन का डिज़ाइन और संदेश आकर्षक होना चाहिए, ताकि यह ग्राहकों का ध्यान आकर्षित कर सके।
3. **संबंधितता:** विज्ञापन का संदेश और उत्पाद उपभोक्ता की आवश्यकताओं से मेल खाते हों।

प्र.19 उत्तर:

(i) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक:
"समय का सदुपयोग और आलस्य की हानि"

(ii) कौनसी प्रवृत्ति सबसे घातक है?
आज के काम को कल पर डालने की प्रवृत्ति सबसे घातक है।

(iii) निरंतर का विलोम शब्द:
विराम

प्र.19 उत्तर:

(i) काव्यांश का उचित शीर्षक:
"छाया और जीवन की छवियाँ"

(ii) "यामिनी" शब्द का पर्यायवाची:
"रात्रि"

(iii) उपर्युक्त काव्यांश का भावार्थ:
काव्यांश में जीवन के सुंदर क्षणों और यादों का वर्णन किया गया है। कवि ने छाया से मन को दूर रखने की सलाह दी है, क्योंकि वह दुखों का कारण बन सकती है। जीवन में कई सुखद दृश्य और अनुभव होते हैं, जो हमारे मन को प्रसन्नता और शांति देते हैं। यहाँ पर रात्रि (यामिनी) के समय के बाद की यादें, जैसे चाँदनी और फूलों की खुशबू, कवि के लिए सुखद और स्मरणीय बनी रहती हैं। यह काव्यांश जीवन के सुखों और दुःखों के बीच के संतुलन को दर्शाता है, और यह भी बताता है कि हमें अपनी यादों में रमना चाहिए, लेकिन जीवन में उपस्थित वास्तविकता का भी सामना करना चाहिए।

प्र.20 उत्तर:

(i) गद्यांश का संदर्भ, प्रसंग और विशेष:

संदर्भ:
यह गद्यांश एक व्यक्ति की व्यवहारिक स्थिति और समाज में उसके प्रति प्रतिक्रियाओं का वर्णन करता है। यहां पर पंडित जी के किसी कार्य के बारे में समाज के विभिन्न दृष्टिकोण और उनके व्यवहार पर की जाने वाली आलोचनाओं का उल्लेख किया गया है। समाज में इस तरह की निंदा और चर्चाओं का बढ़ना एक सामान्य मानवीय प्रवृत्ति का प्रतीक है।

प्रसंग:
यहां पर पंडित जी के किसी कार्य के बारे में समाज का नजरिया और प्रतिक्रियाएँ व्यक्त की गई हैं। लोग उनके कर्मों पर गहरी आलोचना कर रहे थे और समाज के लिए यह एक बड़ा मुद्दा बन गया था। गद्यांश समाज की इस प्रवृत्ति को उजागर करता है कि किसी व्यक्ति के कार्यों को लेकर हर कोई अपनी राय व्यक्त करता है और निंदा करने में भाग लेता है।

विशेष:
गद्यांश में यह विशेषता है कि यह समाज की आलोचना, निंदा और विचारों के प्रसार को बड़ी बारीकी से दर्शाता है। समाज के व्यवहार और मानसिकता को इस गद्यांश में उकेरा गया है, जहां हर किसी की अपनी राय होती है और हर मुद्दे पर आलोचना की जाती है।

अथवा

संदर्भ, प्रसंग और विशेष (धनराम और मोहन का उदाहरण):

संदर्भ:
यह गद्यांश धनराम और मोहन के बीच की स्थिति का चित्रण करता है, जहां धनराम एक कठिन मानसिक स्थिति में है और मोहन अपने कार्य को पूरी तरह से संतुष्ट होकर कर रहा है। गद्यांश में यह बताया गया है कि मोहन अपने काम में किसी भी प्रकार की असमंजस या संकोच का अनुभव नहीं करता, और उसका आत्मविश्वास उसकी कारीगरी में झलकता है।

प्रसंग:
यहां पर धनराम अपनी कार्यकुशलता और स्थिति से असमंजस और संकोच महसूस कर रहा है, जबकि मोहन अपनी कार्यशक्ति और सृजनात्मकता को संतुष्टि से पूरा कर रहा है। धनराम और मोहन के बीच यह अंतर यह दर्शाता है कि जब व्यक्ति अपने काम में आत्मविश्वास रखता है, तो वह सही दिशा में कार्य करता है।

विशेष:
यह गद्यांश व्यक्ति की मानसिक स्थिति और कारीगरी में संतोष की विशेषता को दर्शाता है। इसमें यह भी दिखाया गया है कि कैसे संकोच और आत्मविश्वास एक व्यक्ति की सफलता और कार्य में अंतर ला सकते हैं।

प्र.21 उत्तर:

काव्यांश का संदर्भ, प्रसंग, विशेष सहित व्याख्या:

काव्यांश 1:

काव्यांश:
कहाँ तो तय था चिरागां हरेक घर के लिए,
कहाँ चिराग मयस्सर नहीं शहर के लिए।
यहाँ दरख्तों के साये में धूप लगती है, चलो यहाँ से चलें और उम्र भर के लिए।

संदर्भ:
यह काव्यांश मशहूर शायर **अहमद फ़राज़** का है। यह काव्यांश समाज में बढ़ती हुई समस्याओं और उम्मीदों के टूटने की गहरी चिंता को दर्शाता है। शायर ने अपने इस काव्यांश के जरिए उस समय की दुरवस्था और निराशा का चित्रण किया है।

प्रसंग:
कविता में, कवि समाज की परिस्थितियों और संघर्ष को दर्शाते हुए जीवन की सच्चाई की ओर इशारा करता है। कवि पहले पंक्ति में यह बताते हैं कि एक समय था जब हर घर में एक चिराग़ (आशा) जलाने का विचार था, लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब शहरों में चिराग़ मयस्सर नहीं हैं, जो उजाला लाकर हमारी आशाओं को बढ़ाए। दूसरे भाग में कवि यह भी बताते हैं कि आजकल बुरी परिस्थितियाँ इतनी हावी हो गई हैं कि हरे-भरे वृक्षों की छांव में भी गर्मी महसूस होती है, जो जीवन की कठिनाइयों को और बढ़ा देती है। इस परिस्थिति से बचने के लिए वह कहीं और जाने का निर्णय लेते हैं।

विशेष:
यह काव्यांश सशक्त रूप से जीवन की कठिनाइयों, निराशा और समाज में हो रहे बदलावों को दिखाता है। यहां पर कवि यह संकेत करता है कि समाज में बढ़ते संघर्षों के बीच आशा और उम्मीद को ढूंढ़ना मुश्किल हो गया है। शायर इस काव्यांश में जीवन के कठोर सत्य को व्यक्त करता है, जिसमें नकारात्मकता और निराशा का बोलबाला है।

अथवा

काव्यांश:
तेरा निजाम है सिल दे जुबान शायर की, ये एहतियात जरूरी है इस बहर के लिए।

संदर्भ:
यह काव्यांश प्रसिद्ध शायर **मीरजाफ़र अली** का है। इसमें शायर ने शब्दों की शक्ति और उनसे होने वाली दखलअंदाजी को लेकर एक संदेश दिया है। इस काव्यांश में शायर ने अपनी शायरी को एक सीमा में रखने की बात की है, ताकि किसी को कोई आपत्ति न हो।

प्रसंग:
यह कविता शायर के उस समय के राजनीतिक या सामाजिक दबाव को दर्शाती है, जब उन्हें अपनी जुबान को बंद रखने की सलाह दी जाती है। कवि की शायरी सच्चाई की ओर इशारा करती है, परंतु कुछ परिस्थितियों में यह सच्चाई सुनने वाले लोगों को नाराज कर सकती है। कवि यहां पर यह जताते हैं कि शब्दों के सही इस्तेमाल से समाज में सही संदेश फैलाया जा सकता है, लेकिन कभी-कभी इसका बुरा प्रभाव भी हो सकता है।

विशेष:
इस काव्यांश में शब्दों की ताकत और उनके उपयोग पर गहरी सोच व्यक्त की गई है। कवि इस बात को उजागर करते हैं कि जब किसी समाज या शासन में सत्य की आवाज को दबाने की कोशिश की जाती है, तो शायर को अपनी जुबान को बांधने के लिए मजबूर किया जाता है।

प्र.22 उत्तर:

(i) नगर निगम नगर पालिका अध्यक्ष को शिकायती पत्र:

प्रति,
नगर निगम नगर पालिका अध्यक्ष,
नगर निगम कार्यालय,
[आपके नगर का नाम]

विषय: नियमित सफाई न होने के संबंध में शिकायत।

महोब्बत से निवेदन है,

मैं [आपका नाम], निवासी [आपके इलाके का नाम], आपके ध्यान में यह विषय लाना चाहता हूँ कि हमारे क्षेत्र में सफाई की स्थिति अत्यंत चिंताजनक हो चुकी है। यहाँ पर सड़कें, गली-मोहल्ले, और सार्वजनिक स्थल गंदगी से भरे हुए हैं। कूड़े का ढेर और जलजमाव की समस्या भी विकराल रूप ले चुकी है। यह स्थिति न केवल पर्यावरणीय दृष्टि से हानिकारक है, बल्कि स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी उत्पन्न कर रही हैं।

मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि हमारी क्षेत्र की सफाई व्यवस्था को जल्द से जल्द सुधारने की कृपा करें। आपके द्वारा उचित कदम उठाने से नगर निगम की छवि को भी फायदा होगा और नागरिकों को भी राहत मिलेगी।

आपकी मदद की प्रतीक्षा है।

धन्यवाद,
[आपका नाम]
[आपके इलाके का नाम]
[तारीख]

अथवा

(ii) HMPV के संक्रमण से बचने के लिए पत्र:

प्रिय मित्र,

सुप्रभात!

आशा है कि आप स्वस्थ और खुशहाल होंगे। आज मैं आपको HMPV (ह्यूमन मेटा न्यूमोवायरस) के संक्रमण से बचने के बारे में जागरूक करना चाहता हूँ। यह वायरस सामान्य रूप से सर्दी-जुकाम, खांसी, और गले में खराश जैसे लक्षण पैदा करता है, जो गंभीर रूप से स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं।

इस संक्रमण से बचने के लिए निम्नलिखित सावधानियाँ बरतनी चाहिए:

1. नियमित रूप से हाथ धोने की आदत डालें, खासकर खाने से पहले और बाथरूम के उपयोग के बाद।
2. जब आप खांसें या छींकों, तो अपनी नाक और मुंह को रुमाल से ढकें।
3. भीड़-भाड़ वाले स्थानों से बचें।
4. मास्क का उपयोग करें, विशेष रूप से जब आप अस्वस्थ महसूस करें।
5. यदि आपको सर्दी-खांसी जैसे लक्षण दिखाई दें, तो डॉक्टर से तुरंत परामर्श लें और घर पर आराम करें।

आपका स्वास्थ्य मेरे लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए कृपया इन उपायों का पालन करें और सुरक्षित रहें।

शुभकामनाएँ,
[आपका नाम]
[तारीख]